ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–61
दिनांक– शुक्रवार, 14 अगस्त, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.2 एवं 25.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 86 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.1 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.9 एवं दोपहर में 34.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 58.0 मि0मी0 वर्षा हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(15–19 अगस्त, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 15–19 अगस्त, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- अगले 2 से 3 दिनों तक आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है, उसके बाद 17–18 अगस्त को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32–34 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 27–29 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 प्रतिशत के आसपास तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्य रूप से पूर्वा हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- मक्का की खड़ी फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। यह कीट फसल को काफी नुकसान करता है। इस कीट की सूंडियाँ पहले कोमल पत्तियों को खाती है तथा मध्य कलिका की पत्तियों के बीच घुसकर उन्ही से होते हुए तने में पहुच जाती है एवं तने के गूद्दे को खाती हुई जड़ की तरफ बढ़ती हुई सुरंग बनाती है। फलतः मध्य कलिका मुरझाकर सुखी हुई नजर आती है एवं इसे अगर पकड़कर खींचा जाए तो वह आसानी से बाहर निकल आती है। इस प्रकार का लक्षण दिखने पर कार्बोफ्यूरान (३ जी) का ७ किलोग्राम/हे० की दर से पौधें के गाभा में डालें।
- धान की फसल जो २५-३० दिन की हो गई हो, उसमें प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेशन करें। धान की फसल से खरपतवार निकालने का कार्य करें।
- परवल की राजेन्द्र परवल–1, राजेन्द्र परवल–2, एफ0पी0 1, एफ0पी0 3, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, आई0आई0भी0आर0–1,2,105 किस्मों की रोपनी करें। बीज दर 2500 गुच्छियाँ प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दूरी 2 × 2 मीटर रखें। परवल की रोपाई के लिए प्रति गड्ढ़ा कम्पोस्ट 3 से 5 किलो ग्राम, नीम या अंडी की खल्ली 250 ग्राम, एस0एस0पी0 100 ग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश 25 ग्राम एवं थिमेट 10 से 15 ग्राम का व्यवहार करें। परवल के अच्छे फलन के लिए 5 प्रतिशत नर पौधे की रोपाई अवश्य करें।
- फूलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काशी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। उपचारित बीज उथली क्यारियों मे पंक्तियों में गिराये।
- भिंडी की फसल में लीफ हॉपर कीट की निगरानी करें। इस कीट के नवजात एवं व्यस्क दोनो पत्तियो पर चिपक कर रस चुसते हैं। ये पत्तियो के निचली हिस्सों में रहते है अधिकता की अवस्था में पत्तियों पर छोटे-छोटे धब्बे उभर जाते है और पत्तिया पीली तथा कमजोर होकर उपर की तरफ झुक जाते है। यह कीट विषाणु रोग भी फैलाते है। कीट की संख्या अधिक पाये जाने पर बचाव हेतु डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १.५ मी.ली.प्रति लीटर या इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.५ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की शुरुवाती रोक-थाम के लिए बैगन की रोपाई के १० दिनों बाद १ ग्राम फ्युराडान ३ जी० दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला दें। खड़ी फसल में दवा छिड़काव से पहले इस कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ इ०सी० दवा का १ मि०ली० प्रति ४ ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- मानसून के मौसम में दुधारू पशुओं की पाचन क्षमता कम हो जाती है, जिससे पेट फूलना और पेट में रुकावट जैसी समस्याएँ होती हैं। इन जटिलताओं से बचने के लिए किसानों को प्रतिदिन प्रोबायोटिक्स देने की सलाह दी जाती है। पशुओं को ऊँचे स्थानों पर रखना चाहिए और उन्हें बारिश के पानी के संपर्क में आने से बचाना चाहिए। पशुओं को स्वच्छ पानी पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः 32.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 24.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी